मस्क की संपत्ति 67 .18 लाख करोड़ हुई

700 अरब डॉलर से ज़्यादा की सम्पति वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बने

वॉशिंगटन, 21 दिसंबर. अमेरिका के उद्योगपति एलन मस्क 700 अरब डॉलर से ज्यादा की सम्पति वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बन गए है.

एलन मस्क इतिहास के पहले ऐसे व्यक्ति बन गए हैं जिनकी संपत्ति 600 अरब डॉलर से बढ़कर 67.18 लाख करोड़ हो गई है. यह उपलब्धि स्पेसएक्स की वैल्यूएशन में तेज बढ़ोतरी के कारण हासिल हुई, जिससे वैश्विक धन के पैमाने ही बदल गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के 15 दिसंबर 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार, मस्क अब धरती पर सबसे अमीर व्यक्ति हैं, जिनकी दौलत बाकी सभी अरबपतियों से कहीं आगे निकल गई. डेलावेयर शीर्ष अदालत के मस्क के 2018 टेस्ला स्टॉक विकल्प पैकेज को अमान्य करने वाले निचली अदालत के फैसले को पलटने के बाद मस्क की दौलत बढ़ गई, जिसकी अब कीमत 139 अरब डॉलर है. एक रिपोर्ट के अनुसार उसका अनुमान है कि इस फैसले के खिलाफ सफलतापूर्वक अपील करने के बाद मस्क की कुल सम्पति रिकॉर्ड 749 अरब डॉलर तक पहुंच गई है.मस्क की संपत्ति में यह जबरदस्त उछाल डेलावेयर की शीर्ष अदालत के एक अहम फैसले के बाद आया है, जिसमें 2018 के टेस्ला स्टॉक विकल्प पैकेज को अमान्य ठहराने वाले निचली अदालत के फैसले को पलट दिया गया.

इस फैसले ने न केवल मस्क की कारोबारी स्थिति को मजबूत किया, बल्कि उनकी व्यक्तिगत संपत्ति को भी ऐतिहासिक स्तर तक पहुंचा दिया. विश्लेषकों के मुताबिक, मस्क की कुल संपत्ति अब 749 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो अब तक किसी भी व्यक्ति के लिए अकल्पनीय मानी जाती थी. यह उपलब्धि उन्हें न केवल दुनिया का सबसे अमीर व्यक्ति बनाती है, बल्कि आर्थिक ताकत के एक नए युग की भी शुरुआत करती है. पहले मस्क को 600 अरब अमरीकी डॉलर से ज़्यादा सम्पति वाला पहला व्यक्ति बताया था.

> मस्क की इस उपलब्धि ने अन्य वैश्विक उद्योगपतियों को भी पीछे छोड़ दिया है. ओरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन की कुल संपति जहां 400 अरब डॉलर के आसपास पहुंची है, वहीं अन्य दिग्गज कारोबारी उनसे काफी पीछे हैं. हाल ही में मार्च 2020 तक मस्क की कुल सम्पति 24.6 अरब अमरीकी डॉलर आंकी गई थी. जनवरी 2021 में वह दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए. उसी साल उन्होंने 300 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया और 2024 में मस्क की कुल सम्पति बढ़कर 500 अरब डॉलर से ज़्यादा हो गई.

चावल-गेहूं मजबूत चीनी, दालें नरम

नई दिल्ली 21 दिसंबर. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये. ग्राहकी आने से गेहूं में भी तेजी रही. वहीं, चीनी और दालों में गिरावट रही जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा. घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 71 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,827 रुपये प्रति क्विंटल रही. गेहूं 10 रुपये चढ़कर 2,858.33 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया. आटा 3,305.69 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा. बीते सप्ताह मूंगफली तेल 16 रुपये और सोया तेल 15 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ. वहीं, वनस्पति 55 रुपये और सरसों तेल 49 रुपये मजबूत हुआ. सूरजमुखी तेल में 37 रुपये और पाम ऑयल में पांच रुपये प्रति क्विंटल की तेजी देखी गई.

नागरिकों को मिलेगा यात्रा जैसा अनुभव

अहमदाबाद के आम्बली रोड स्टेशन पर बनाया जा रहा है रेल कोच रेस्टोरेंट

स्वादिष्ट भोजन और विभिन्न सुविधाएं भी यात्रियों को मिलेगी

अहमदाबाद 21 दिसंबर. पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा आंबली रोड रेलवे स्टेशन पर आधुनिक 'रेल कोच रेस्टोरेंट' का निर्माण किया जा रहा है.

इस अनूठी पहल के तहत परिवर्तित रेल कोचों में रेस्टोरेंट विकसित किया जा रहा है, जहाँ बैठकर लोग बिना यात्रा किए ही चलती ट्रेन में होने जैसा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे और स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकेंगे. आंबली रोड स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट अहमदाबाद क्षेत्र का पहला रेस्टोरेंट होगा. पश्चिम रेलवे में बांद्रा टर्मिनस, अंधेरी, बोरीवली, रतलाम तथा राजकोट में रेल कोच रेस्टोरेंट स्थापित किए गए है. इस रेल कोच रेस्टोरेंट में 24 घंटे सेवा उपलब्ध रहेगी, जिससे यात्रियों के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों को भी दिन-रात भोजन की सुविधा मिलेगी. अहमदाबाद की जनता यहाँ परिवार और मित्रों के साथ बैठकर विभिन्न व्यंजनों का स्वाद ले सकेगी तथा आकर्षक रेल-थीम वातावरण में सेल्फी और यादगार पलों का आनंद उठा सकेगी। इस रेस्टोरेंट में इनडोर एवं आउटडोर डाइनिंग दोनों विकल्प होंगे. इसके साथ ही पर्याप्त पार्किंग, पार्सल/टेक-अवे सुविधा तथा बच्चों के लिए खेलने की व्यवस्था (फन ज़ोन) भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे यह स्थान परिवार-अनुकूल बन सके. यह रेस्टोरेंट हरियाली से युक्त सुखद वातावरण प्रदान करेगा तथा सभी सुरक्षा मानको का ध्यान रखकर बनाया जा रहा है.

वैश्विक कारकों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई, 21 दिसंबर. घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर उद्योगों के आंकड़ों और वैश्विक कारकों पर रहेगी. आने वाले सप्ताह में सोमवार को आठ प्रमुख उद्योगों के उत्पादन के आंकड़े जारी किये जायेंगे जो बाजार को प्रभावित कर सकते हैं.

इसके अलावा वैश्विक कारकों पर भी निवेशकों की नजदीकी नजर रहेगी. बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 338.30 अंक (0.40 प्रतिशत) टूटकर सप्ताहांत पर 84,929.36 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 80.55 अंक यानी 0.31 प्रतिशत गिरकर 25,966.40 अंक पर रहा.

मझौली कंपनियों के सूचकांक निफ्टी मिडकैप-50 में 0.06 प्रतिशत की मामूली गिरावट रही जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप-100 सूचकांक पूरे सप्ताह के उतार-चढ़ाव से होता हुआ सपाट रहा.

एफपीआई ने बाजार से निकाले 23,377 करोड़ रुपये

मुंबई, 21 दिसंबर. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बीते सप्ताह भारतीय पूंजी बाजार से 23,377 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है.

सीडीएसएल के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने 14,185 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची है. इसके अलावा, डेट में भी वे शुद्ध रूप से बिकवाल रहे हैं. वहीं, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट्स में उन्होंने लिवाली की. डेट से उन्होंने कुल 9,682 करोड़ रुपये निकाले. वहीं म्यूचुअल फंड में उन्होंने 77 करोड़ रुपये और 420 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया. दो महीने के अंतराल के बाद एफपीआई दिसंबर में शुद्ध रूप से बिकवाल रहने की तरफ बढ़ रहे हैं. इसका मतलब है कि उन्होंने जितनी पूंजी लगाई है उससे ज्यादा निकाली है.

विकास की वास्तविकता से जुड़े रहें

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक में दो दिवसीय चिंतन शिविर को संबोधित किया

नई दिल्ली / हम्पी, 21 दिसंबर. केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कर्नाटक में विजयनगर जिले के हम्पी में आयोजित वित्त मंत्रालय और कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के दो दिवसीय चिंतन शिविर के पहले अधिकारियों से विकास की वास्तविकताओं से जुड़े रहने की जरूरत पर बल दिया.

मंत्रालय ने इस अवसर पर कॉरपोरेट कार्य राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा भी उपस्थित रहे. सीतारमण ने शिविर के पहले दिन अध्यक्षीय संबोधन में विजयनगर क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला. यह क्षेत्र लगभग 500 वर्ष पूर्व अपने उत्कर्ष पर था और उस समय इसकी कीर्ति पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में दिखाई देती है. उन्होंने विजयनगर जिले में इस समय उपस्थित विरोधाभास की ओर भी ध्यान आकर्षित किया और कहा कि यहां जहां तरफ भव्य स्मारकों के साथ सूखा-प्रवण क्षेत्र देखे जा सकते हैं, जिनमें कृषि उत्पादकता कम है, मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी चुनौतियां भी विद्यमान हैं.

> इस शिविर में 'एआई, व्यवसाय सुगमता एवं विकसित भारत के लिए वित्तपोषण' विषयक सत्र में, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), प्रौद्योगिकी-सक्षम प्रणालियों और प्रक्रिया सुधारों के उपयोग के माध्यम से संस्थागत क्षमता और नीति-निर्माण को सुदृढ़ करने पर चर्चा की गयी. विज्ञप्ति के अनुसार इस दौरान विचार-विमर्श में प्रक्रियाओं का सरलीकरण, नियामकीय स्थायित्व, विभागों के बीच समन्वित कार्यप्रणाली, धन के कुशल प्रवाह, भविष्यान्मुखी कर प्रशासन, स्वस्थ विकास संबंधी परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण के तरीकों, तथा पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही के लिए डिजिटल उपकरणों के उपयोग जैसे विषय भी शामिल थे.

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1 .34 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली, 21 दिसंबर. सोने-चांदी के बाजार में निवेशकों की नजरें इस सप्ताह फिर एक बार बढ़ती कीमतों और विदेशी बाजार पर टिक गई हैं। दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 134,320 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कायम है, जबकि 22 कैरेट का भाव 123,140 रुपये प्रति 10 ग्राम है.

अन्य प्रमुख शहरों जैसे चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद में भी 24 कैरेट सोना 1.34 लाख रुपये और 22 कैरेट 1.22 लाख रुपये के स्तर पर ट्रेड हो रहा है। चांदी की कीमतें भी शनिवार की सुबह गिरावट के साथ 208,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गईं. विदेशी बाजार में चांदी का हाजिर भाव 65.85 डॉलर प्रति औंस रहा. विशेषज्ञों का मानना है कि सप्लाई में लगातार पांचवें साल कमी के कारण चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रह सकती है। वहीं, अमेरिकी अर्थव्यवस्था से जुड़ी खबरों ने निवेशकों को सतर्क किया है। फेडरल रिजर्व के गवर्नर क्रिस्टोफर वालर ने ब्याज दर में कटौती का समर्थन किया, लेकिन पॉलिसी मेकरों को आगे बढ़ने में सावधानी बरतने की सलाह दी. अमेरिका में बेरोजगारी दर चार साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, और नवंबर में नौकरियों में वृद्धि अक्टूबर के स्तर की भरपाई करने में विफल रही. दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 134,320 रुपये प्रति 10 ग्राम, जबकि 22 कैरेट सोना 123,140 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा है. प्रमुख शहरों में भाव कुछ अंतर के साथ समान स्तर पर हैं.

तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत

वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम में बोले मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 21 दिसंबर. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत की आर्थिक क्षमता को लेकर दशकों से चली आ रही धारणाओं पर कड़ा प्रहार किया है.

उन्होंने कहा कि देश को 4-4.5 प्रतिशत की सीमित वृद्धि से जोड़ना अब बीते दौर की सोच है. वर्ल्ड हिंदू इकोनॉमिक फोरम 2025 में बोलते हुए गोयल ने 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' शब्दावली को राजनीतिक और नीतिगत विफलताओं से जोड़ा तथा दावा किया कि मौजूदा दौर में भारत तेज विकास की नई कहानी लिख रहा है. वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत की आर्थिक नियति को लंबे समय तक धीमी वृद्धि से जोड़कर देखना एक बड़ी भूल थी. उन्होंने बताया कि 'हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ' शब्द का इस्तेमाल 1950 से 1980 के बीच 3-4 प्रतिशत की औसत जीडीपी वृद्धि को परिभाषित करने के लिए किया था, लेकिन समय के साथ इसे भारत की स्थायी सीमा मान लिया गया. पूर्ववर्ती कांग्रेस और कांग्रेस-नेतृत्व वाली यूपीए सरकारों के दौरान यह धारणा मजबूत हुई कि सरकार चाहे कोई भी हो, देश 4-4.5 प्रतिशत से तेज नहीं बढ़ सकता. उन्होंने आरोप लगाया उस दौर में अत्यधिक सरकारी हस्तक्षेप, कमजोर वैश्विक प्रभाव व चुनिंदा हित समूहों को प्राथमिकता दी गई. गोयल ने कहा कि 2004 से 2014 के बीच देश को विकास के संतुलन से हटाकर 4 प्रतिशत विकास और 8 प्रतिशत महंगाई की स्थिति में पहुंचा दिया गया.

रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा सौर ऊर्जा से बदलेगा भारत

मुंबई, 21 दिसंबर. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने भारत के ऊर्जा भविष्य को लेकर बड़ा और दूरदर्शी बयान दिया है.

उन्होंने कहा है कि सौर ऊर्जा को अब केवल चार घंटे के ईंधन के रूप में देखने की सोच पुरानी हो चुकी है. मुंबई में आयोजित एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में अंबानी ने ग्रीन एनर्जी, आत्मनिर्भर भारत और युवाओं की बदलती आकांक्षाओं पर विस्तार से विचार रखे. उनका कहना है कि भारत अब ऊर्जा क्रांति के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने संकेत दिया है कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के बेहद करीब पहुंच चुका है. सौर ऊर्जा को लेकर दशकों पुरानी धारणा को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि अब इसे केवल दिन के चार घंटे तक सीमित ईंधन मानना गलत है. अंबानी के अनुसार, आधुनिक तकनीक और बड़े पैमाने पर निवेश के ज़रिए सौर ऊर्जा का उपयोग भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा समस्याओं को हल करने में किया जा सकता है.

छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 75,257 करोड़

रिलायंस इंडस्ट्रीज 21,17,967 करोड़ रुपये के साथ पहले स्थान पर

चार कंपनियों का 45,842 करोड़ रुपये घट गया

मुंबई, 21 दिसंबर (वार्ता) घरेलू शेयर बाजारों में रही गिरावट के बीच बीएसई की शीर्ष 10 में शामिल छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) बीते सप्ताह 75,257 करोड़ रुपये बढ़ गया जबकि अन्य चार कंपनियों का 45,842 करोड़ रुपये घट गया.

सप्ताह के दौरान सूचना एवं प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 22,595 करोड़ रुपये और इंफोसिस का 16,972 करोड़ रुपये बढ़ा. भारतीय स्टेट बैंक के एमकैप में 15,923 करोड़ रुपये और विविध क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज में 12,315 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई. दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल को बाजार पूंजीकरण में 7,384 करोड़ रुपये और लार्सन एंड टूब्रो में 68.78 करोड़ रुपये का फायदा हुआ.

समाचार विशेष

चुनाव में हार के बाद गुमनामी में सीता सोरेन

रांची. झारखंड की राजनीति में कभी प्रभावशाली मानी जाने वाली सीता सोरेन इन दिनों राजनीतिक नेपथ्य में दिखाई दे रही हैं. झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से अलग होकर भाजपा का दामन थामने और 2024 के चुनावी मैदान में उतरने के बाद मिली हार ने उनके राजनीतिक कद और सक्रियता दोनों पर असर डाला है.

चुनावी शोर थमते ही उनकी सार्वजनिक मौजूदगी, पार्टी कार्यक्रमों और आक्रामक बयानों में स्पष्ट कमी देखी जा रही है.

भाजपा में शामिल होने के समय सीता सोरेन को आदिवासी महिला चेहरे के रूप में आगे बढ़ाने की चर्चा थी. पार्टी ने उनसे संगठनात्मक मजबूती और चुनावी लाभ की अपेक्षा की थी, लेकिन चुनावी नतीजे अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे. इसके बाद वे न तो पार्टी के प्रमुख कार्यक्रमों में नियमित दिखीं और न ही प्रदेश राजनीति की बहसों में उनकी मुखर भूमिका नजर आई.

इंटरनेट मीडिया पर भी सांकेतिक मौजूदगी- सीता सोरेन की सक्रियता सीमित हो गई है. जहां चुनाव के दौरान वे विरोधियों पर तीखे हमले और तात्कालिक प्रतिक्रियाएं देती थीं. वहीं, अब एक्स पर उनके पोस्ट अधिकतर प्रतीकात्मक जयंती, पुण्यतिथि या सांस्कृतिक अवसरों तक सिमट गए हैं. यह बदलाव बताता है कि वे फिलहाल आक्रामक राजनीति से दूरी बनाए हुए हैं. संभव है कि यह स्थिति एक रणनीतिक विराम भी हो सकता है. चुनावी हार के बाद कई नेता संगठन के भीतर अपनी भूमिका तय करने, नए समीकरण साधने और सही मौके की प्रतीक्षा करते हैं.

> सीता सोरेन के मामले में भी भाजपा के भीतर उनकी भविष्य की भूमिका चाहे वह संगठनात्मक हो या चुनावी, अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है. दूसरी ओर, झामुमो से अलगाव के बाद उनके पास वह पारंपरिक राजनीतिक आधार भी नहीं रहा, जो पहले उनकी ताकत माना जाता था. इससे उनकी राजनीतिक पुनर्स्थापना की राह और चुनौतीपूर्ण हो गई है. सवाल यह नहीं कि वे राजनीति में रहेंगी या नहीं, बल्कि यह है कि क्या वे किसी नए रोल, नए मुद्दे या नए राजनीतिक प्रयोग के साथ वापसी कर पाएंगी अथवा उनकी भूमिका सीमित प्रभाव वाली रह जाएगी?

युवा चेहरे आसान करेंगे सत्ता की निरंतरता

बीजेपी कैसे कर रही 2047 की राजनीति डिजाइन?

नई दिल्ली. वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने संगठन में युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम तेज कर दिया है.

इसी कड़ी में बीजेपी संसदीय बोर्ड ने नितिन नबीन को नया राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया. बीजेपी के उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक, नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया मकर संक्रांति के बाद शुरू होगी. उत्तरायण के बाद शुरू होने वाली यह प्रक्रिया करीब 22 दिन में पूरी होती है. इसके बाद नेशनल काउंसिल की बैठक बुलाकर उनके नाम पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी. यह बैठक दिल्ली में होने की संभावना है.

नितिन नबीन महज 45 साल की उम्र में बीजेपी के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने जा रहे हैं. ऐसे में पार्टी के भीतर और बाहर यह सवाल उठ रहा है कि इतने युवा नेता को संगठन की कमान क्यों सौंपी जा रही है. पार्टी सूत्रों का कहना है कि इसका सीधा संबंध प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन से है. बीजेपी नेतृत्व का मानना है कि जब 2047 में भारत विकसित देश बनेगा, तब पार्टी के पास अनुभवी और परिपक्व नेतृत्व होने चाहिए. इसी सोच के तहत अभी से युवा नेताओं को आगे बढ़ाया जा रहा है. नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर पार्टी अगले 25 साल की राजनीति के लिए नेतृत्व तैयार कर रही है.

> सूत्रों के मुताबिक, नितिन नबीन फिलहाल 45 वर्ष के हैं और 2047 तक उनकी उम्र 67 साल होगी. ऐसे में पार्टी के पास उस समय संगठन का नेतृत्व करने के लिए एक अनुभवी चेहरा तैयार रहेगा. यह रणनीति सिर्फ केंद्र तक सीमित नहीं है. नितिन नबीन के साथ-साथ बीजेपी राज्यों में भी 45 वर्ष के आसपास के नेताओं को अहम जिम्मेदारियां सौंप रही है. छत्तीसगढ़ में विजय शर्मा और गुजरात में हर्ष सांघवी को उपमुख्यमंत्री बनाया जाना भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है.

गुजरात में नई राजनीति! पटेल ने चौंकाया

अहमदाबाद. 40 साल में हर्ष संघवी को डिप्टी सीएम और 45 की उम्र के नितिन नबीन को कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर बीजेपी ने चौंकाया है. इन दोनों बड़े फैसलों के बाद गुजरात में सरप्राइज कर देने वाला वाकया सामने आया है.

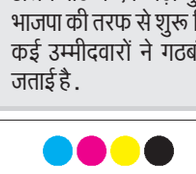

राज्य में पहली बार मंगलवार को आम आदमी पार्टी के नेताओं की कैमरे पर सीएम भूपेंद्र पटेल से मुलाकात हुई. मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने न सिर्फ नेताओं से मुलाकात की बल्कि उनके ज्ञापन को भी स्वीकार किया.

आप नेता किसानों की 11 मांगों को लेकर मुख्यमंत्री ऑफिस पहुंचे थे. 2021 बाद सीएम बनने के बाद पहला मौका है जब सरकार ने इस तरीके से आम आदमी पार्टी के नेताओं को अहमियत दी है. इसे राज्य में अलग घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है. गौरतलब हो कि आम आदमी पार्टी किसानों के मुद्दों को लेकर काफी समय से सड़कों पर है.

विशेष | नवी मुंबई में गठबंधन पर घमासान, 111 सीटों पर होगी जंग

नाईक को मिलाना ही पड़ेगा शिंदे से हाथ

मुंबई. महानगरपालिका चुनाव का बिगुल बज चुका है लेकिन नवी मुंबई में अभी तक स्थिति साफ नहीं हुई है कि भाजपा शिवसेना मिलकर चुनाव लड़ेंगे या फिर पुणे मनपा की तरह फ्रेंडली चुनाव लड़ा जाएगा. कार्यकर्ताओं तथा इच्छुक उम्मीदवारों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है. हालांकि ठाणे जिले की सभी महानगर पालिकाओं में शिवसेना के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के आदेश दिल्ली दरबार से दिए गए हैं. यदि यह आदेश नवी मुंबई मनपा पर भी लागू किया जाता है तो अकेले चुनाव लड़ने का दम भरने वाले भाजपा नेता और वन मंत्री गणेश नाईक को न चाहते हुए भी शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे से हाथ मिलाना पड़ेगा.

नवी मुंबई शहर को वन मंत्री गणेश नाईक का गढ़ माना जाता है. यहां लगभग हर वार्ड में नाईक और शिवसेना के शिंदे के बीच मुकाबला है. शनिवार से भाजपा के इच्छुक लोगों का इंटरव्यू प्रोसेस शुरू किया जा चुका है, उसमें नाईक के समर्थक गठबंधन का विरोध करते दिखाई दे रहे हैं. नवी मुंबई मनपा की 111 सीटों के लिए 15 जनवरी को चुनाव होंगे. नवी मुंबई मनपा बनने के बाद से ही गणेश नाईक इस शहर की सत्ता में हैं. नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद हुए 2014 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में गणेश नाईक ने एनसीपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था लेकिन वे हार गए थे. हालांकि उसके बाद अगले ही साल हुए मनपा चुनाव में गणेश नाईक ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को नवी मुंबई मनपा में सत्ता दिलाने में सफलता हासिल की थी, इसलिए, यह देखा गया कि मोदी लहर के दौरान भी नवी मुंबईकर गणेश नाईक के साथ रहे.

पहली बार नाईक ने दिलाई सत्ता- 2019 में गणेश नाईक भाजपा में शामिल हो हो गए और उनके साथ सभी समर्थक नगरसेवक भी भाजपा में शामिल हो गए, भाजपा पहली बार नवी मुंबई मनपा में सत्ता में आई. गणेश नाईक और उनका परिवार यह इलेक्शन अपने दम पर लड़ना चाहता है. हालांकि, अब सबका ध्यान इस बात पर है कि अगर दिल्ली और राज्य के नेता नवी मुंबई में उन पर गठबंधन करने का दबाव डालते हैं तो नाईक के समर्थक क्या रोल निभाएंगे.

ऐरोली-बेलापुर विधानसभा सीटों पर भाजपा के विधायक

एकनाथ शिंदे की शिवसेना के पास 45 से ज्यादा पुराने नगरसेवक हैं. अगर गठबंधन नहीं होता है, तो शहर में इन दोनों पार्टियों के बीच सीधी टक्कर होगी. शहर की दोनों सीटों पर भाजपा को मानने वाले नए वोटर्स का एक बड़ा ग्रुप बन गया है. इसलिए, खुद नाईक का कहना है कि भाजपा नवी मुंबई में अकेले दम पर सत्ता पा सकती है. नाईक और उनके परिवार ने भाजपा नेताओं को इस बारे में मनाने की कोशिश की है. अगर गठबंधन होता है, तो भाजपा को एकनाथ शिंदे की पार्टी को कम से कम 45 सीटें देनी होंगी. इसके अलावा, भाजपा और खासकर नाईक के समर्थकों के लिए अलग-अलग वार्ड में एक बड़ी मुश्किल खड़ी हो जाएगी. भाजपा की तरफ से शुरू किए गए पार्टी इंटरव्यू में, कई उम्मीदवारों ने गठबंधन न करने की इच्छा जताई है.